PART - I

Paper Code
P-2

218383

Q. No.	Total Marks	Obtained Marks
Unit-I-A	10	6
Unit-I-B	25	13.75
Unit-I-C	30	11.75
Unit-II-A	10	5.25
Unit-II-B	20	5
Unit-II-C	40	16.75
Unit-III-A	10	6
Unit-III-B	25	13.75
Unit-III-C	30	12
Total Obt. Marks in Figures	200	90.25
Total Obt. Marks in Words		Ninety+ ¼

ATE PLE
परीक्षार्थी क
nswer Sc
n even in t
rds, numb
xaminatio
r which th
कहीं पर भी
XYZ, ABC
क, आदि भी
जाकर भवि

T INSTI
nswer Boo
प्रश्नोत्तर पु
or not prin
ator and ch

अमुद्रित है
र्थी का होग
on Cover
educt 5 m

कवर पृष्ठ प
आयोग द्वार
in which s
ver Sheet
सूचनाएँ
क्षतिग्रस्त न
ent units a

त है। प्रत्

either of
eated as
रण या तथ्

lish, not i
ndi or Eng
में दीजिये
अलग से
s only in
the borde
कसी भी प्रश
हर लिखे
wers beyond the prescribed limit of words, failing this, marks may
अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।
tion out of many and the candidate attempts more than one question then only

विकल्प दिया गया है और परीक्षार्थी द्वारा एक से अधिक प्रश्न हल किये जाते हैं तो ऐसी

प्रश्नोत्तर पुस्तिका को किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा उस पर किसी प्रकार
रा उसकी संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

andidate or any attempt is made to damage the answer script or any marking as
n shall be cancelled by the Commission, for which candidate will be liable.

CANDIDATE PLEASE READ CAREFULLY

परीक्षार्थी कृपया ध्यान से पढ़ें

Do not write any mark of identity inside the Answer Script (including Paper for rough work) i.e. Name, Address, Roll Number, Mobile Number etc. Not to be written even in the letter writing (XYZ, ABC etc. may be written) Name of God, any religious sign, any irrelevant sentence, words, number other than the answer of question must not be written. Such act will be treated as unfair means and entire examination of the Candidate shall be cancelled and he may be debarred by the RPSC from all the future examinations, for which the candidate will be liable.

प्रश्नोत्तर पुस्तिका (रफ कार्य के पृष्ठ सहित) के अंदर कहीं पर भी पहचान चिह्न यथा अपना नाम, पता, रोल नंबर, मोबाइल नंबर इत्यादि नहीं लिखें। यहां तक कि पत्रादि लेखन में भी नहीं लिखें (XYZ, ABC, अ ब स आदि लिखा जा सकता है)। कोई धार्मिक चिह्न, देवताओं के नाम, अनर्गल बातें, प्रश्नोत्तर से असंबंधित वाक्य, शब्द एवं अंक, आदि भी न लिखें। ऐसा करने पर आयोग द्वारा इसे अनुचित साधन अपनाने का कृत्य माना जायेगा तथा अभ्यर्थी की संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जाकर भविष्य में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं से विवर्जित करने की कार्यवाही की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

IMPORTANT INSTRUCTIONS (महत्त्वपूर्ण निर्देश)

(A) It should be ensured that the Question-Answer Booklet is provided in a sealed envelope to the candidate.
अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि अभ्यर्थी को प्रश्नोत्तर पुस्तिका सीलबंद लिफाफे में प्रदान की गई है।

(B) If the Question-Answer Booklet is torn or not printed properly or some pages are missing (Please count the number of pages) then bring it to notice of Invigilator and change the Question-Answer booklet, otherwise the candidate will be liable for that.
यदि प्रश्नोत्तर पुस्तिका कहीं से कटी–फटी या अमुद्रित है या पृष्ठ कम हैं (कृपया पृष्ठ गिन लें) तो अभिजागर के ध्यान में ला दें तथा उसे बदलवा लें, अन्यथा उसका दायित्व अभ्यर्थी का होगा।

(C) Please fill up all desired details properly on Cover Sheet of Question-Answer Booklet with **Blue Ball Point Pen before** answering. The Commission may also deduct 5 marks from the marks obtained if Roll Number is not filled correctly on the Cover Sheet.
प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रश्न हल करने से पूर्व कवर पृष्ठ पर सभी वांछित विवरण नीले बॉल प्वांइट पेन से सावधानीपूर्वक भरें। कवर पृष्ठ पर रोल नम्बर का त्रुटिपूर्ण अंकन करने पर आयोग द्वारा प्राप्तांकों में से 5 अंक काटे भी जा सकते हैं।

(D) This Cover Sheet consists of two parts, in which some information is pre-printed, remaining details have to be filled by the candidate. Please ensure that this Cover Sheet is not torn or damaged.
कवर पृष्ठ दो भागों में बंटा है, जिसमें कतिपय सूचनाएँ पूर्वमुद्रित हैं, शेष की पूर्ति अभ्यर्थी को करनी है। ध्यान रखें कि कवर पृष्ठ कहीं से कटे–फटे नहीं अथवा किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त नहीं हो।

(E) The question paper is divided into different units and parts. The number of questions to be attempted and their marks are indicated in each unit and parts.
प्रश्न–पत्र विभिन्न यूनिट एवं भागों में विभाजित है। प्रत्येक यूनिट एवं भाग में हल किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या और उनके अंक उस यूनिट एवं भाग में अंकित किये गए हैं।

(F) If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English version of the question, the **English version will be treated as standard.**
यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी या अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।

(G) Attempt answers either in **Hindi or English,** not in both. For Language Papers, answer in concerned language and script, unless directed otherwise to write in Hindi or English specifically.
उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी भाषा में से किसी एक में दीजिये, दोनों में नहीं। भाषा विषयक प्रश्नों के उत्तर उनकी संबद्ध भाषा व लिपि में ही दिए जाएँ, जब तक कि प्रश्न विशेष के लिए अलग से हिंदी या अंग्रेजी में उत्तर देने के लिए न लिखा गया हो।

(H) Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of booklet. They should not write answer outside the border line. Answer written outside the border line will not be checked.
अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।

(I) The candidates should not write the answers beyond the prescribed limit of words, failing this, marks may be deducted.
अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।

(J) If there is a choice to attempt one question out of many and the candidate attempts more than one question then only first answer will be assessed.
यदि कई प्रश्नों में से कोई एक हल करने का विकल्प दिया गया है और परीक्षार्थी द्वारा एक से अधिक प्रश्न हल किये जाते हैं तो ऐसी स्थिति में प्रथम उत्तर ही जांचा जायेगा।

विशेष नोट:
अभ्यर्थी द्वारा यदि कोई गलत सूचना दी जाती है या प्रश्नोत्तर पुस्तिका को किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा उस पर किसी प्रकार का पहचान चिह्न अंकित किया जाता है, तो आयोग द्वारा उसकी संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

Special Note:
If there is any wrong information filled by the candidate or any attempt is made to damage the answer script or any marking as identification is done, then his entire examination shall be cancelled by the Commission, for which candidate will be liable.

SPACE FOR ROUGH WORK

Paper-II

5

PAPER – II

GENERAL STUDIES & GENERAL KNOWLEDGE

(Total 200 Marks)
(Total 39 Question)

Unit – I
(यूनिट – I)

(65 Marks)
(65 अंक)

Part – A
भाग – अ

Marks : 10
अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **15 - 15** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं।

1. Explain the role of the concept of 'sthit pragya' in the discharge of administrative responsibility.
प्रशासनिक कर्त्तव्य के निर्वहन में 'स्थित प्रज्ञ' की संकल्पना की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

गीता में दी गई अवधारणा, जिसके अनुसार मनुष्य सुख-दुःख, जय-पराजय, यश-अपयश, अनुकूल-प्रतिकूल स्थितियों में अपने मस्तिष्क या प्रज्ञा को शांत बनाए रखना चाहिए। एक लोकसेवक को अपनी भी आपातकालीन परिस्थितियों (बाढ़, चक्रवात, भूकंप आदि) में शांत रहते हुए तार्किक आधार पर जन कल्याण में निर्णय करने चाहिए।

1.25(One¼)
(Q.Unit-I-A-1)

2. What teachings of Buddha are most relevant today and why?
बुद्ध की कौनसी शिक्षा आज सर्वाधिक प्रासंगिक है और क्यों?

बुद्ध ने कहा कि वीणा के तार को इतना भी मत खींचो कि वो टूट जाए और इतना भी ढीला मत छोड़ो कि स्वर ही ना निकले। अर्थात् मनुष्य को संयमित व मध्यमार्गीय जीवन जीना चाहिए। यदि वर्तमान समाज में सभी लोग इसे अपनाए, तो समाज में आपसी सौहार्द की स्थापना होगी व अनावश्यक प्रतिस्पर्धा रुकेगी। इसके अलावा उन्होंने दुःख निवारण का अष्टांगिक मार्ग भी दिया। [illegible]

1.5(One½)
(Q.Unit-I-A-2)

3. What do you understand by ethical dilemma?
नैतिक द्वन्द्व से आप क्या समझते हैं?

यह निर्णय निर्माण की जटिल प्रक्रिया है, जिसमें दो परस्पर विरोधी मूल्यों, सिद्धांतों, नियमों में टकराव की स्थिति पैदा होती है। यह मुख्यत: तीन प्रकार की होती है

नैतिक द्वन्द्व → व्यक्तिगत मामले नैतिक द्वन्द्व
→ सही-बनाम-सही नैतिक द्वन्द्व
→ संयुक्त नैतिक द्वन्द्व

समाधान :- इसके समाधान के लिए प्रशासक को (i) लोकतांत्रिक जवाबदेहिता (ii) सत्यनिष्ठा (iii) वैधानिकता (iv) संवेदनशीलता से निर्णय लेना चाहिए।

1.5(One½)
(Q.Unit-I-A-3)

4. Explain the relevance of ethical idea of 'Rina' in the administrative life.
प्रशासनिक जीवन में 'ऋण' के नैतिक आदर्श की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।

~~व्यक्ति का~~ माता-पिता, देवताओं, ऋषियों के प्रति ऋणी होता है।
(i) ऋषि ऋण – वैदिक साहित्य का अध्ययन व अध्यापन करना चाहिए।
(ii) देव ऋण – विधि पूर्वक यज्ञ करना चाहिए।
(iii) पितृ ऋण – माता-पिता की सेवा, संतानउत्पत्ति, पिण्डदान
इसी प्रकार एक प्रशासनिक सेवक जनता के कर से आय/वेतन प्राप्त करता है, अत: उसे इस ऋण से उऋण होने के लिए जनकल्याण की भावना से प्रेरित होकर कार्य करना चाहिए।

0.5(Zero½)
(Q.Unit-I-A-4)

5. What way 'detachment theory' of Bhagvad Geeta is significant in the life of an administrator?
भगवद्गीता का 'अनासक्ति सिद्धान्त' किस रूप में एक प्रशासक के जीवन में सार्थक है?

~~अ~~ गीता के अनासक्ति सिद्धांत के अनुसार व्यक्ति को फल व परिणाम से अनासक्त होकर अपने स्वधर्म का पालन करना चाहिए। यदि प्रशासक इस धर्म का पालन करता है और किसी भी लोभ, नियुक्ति, स्थानांतर को छोड़कर कार्य करता है, जनकल्याण सुनिश्चित होगा। प्रशासन की स्थापना होती है।

1.25(One¼)
(Q.Unit-I-A-5)

Paper-II 7

Part – B
भाग – ब

Marks : 25
अंक : 25

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **50 - 50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

6. 'Men's Moral Advancement depends upon complete advancement of society.' Discuss.
'मनुष्य की नैतिक उन्नति समाज की सर्वांगीण उन्नति पर निर्भर करती है।' विवेचना कीजिए।

मनुष्य के विकास की द्वितीय पाठशाला के रूप में समाज की भूमिका उल्लेखनीय है। समाज से व्यक्ति मित्रमंडली, बड़े-बुजुर्गों आदि के माध्यम से सहिष्णुता, सद्भाव, सहयोग आदि मूल्य सीखता है। व्यायामशाला, स्वच्छता कार्यक्रम, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि के माध्यम से व्यक्ति का समाजीकरण होता है। अतः यदि किसी समाज में उच्च नैतिक मूल्यों के अनुसार जीवन यापन किया जाता है, तो व्यक्ति में भी स्वतः उच्च नैतिक मूल्यों का विकास हो जाता है। अतः समाज का प्रमुख योगदान है, मनुष्य की नैतिक उन्नति में।

1.25(One¼)
(Q.Unit-I-B-6)

7. "Family is the most important institution for the moral development of man". Evaluate this statement.
"परिवार मनुष्य के नैतिक विकास की सबसे महत्त्वपूर्ण संस्था है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

परिवार मनुष्य की प्रथम पाठशाला है, परिवार में सर्वाधिक प्रभाव माता का पड़ता है। माता से करुणा, दया, बड़ों का आदर, निःस्वार्थ सेवा, वात्सल्य आदि नैतिक मूल्य सीखता है। पिता से अनुशासन, कर्तव्यपालन, साहस, आत्मनिर्भरता, आश्रितों का भरण-पोषण आदि नैतिक मूल्य
भाई-बहिन से - आपसी सहयोग, बंधुता, मिल-बांटकर कार्य करना
दादा-दादी से आध्यात्म, धार्मिक मूल्य, शिक्षाप्रद कहानियाँ आदि
*परिवार से बालक अनुकरण के माध्यम से सीखता है। अतः माता-पिता को आदर्श आचरण करना चाहिए, *लालन-पालन में न अधिक लाड़-प्यार न अधिक गुस्सा, मध्यम मार्ग अपनाना चाहिए। शिक्षाप्रद कहानियां (पंचतंत्र), नैतिक शिक्षा वाली ... कुसंगति से दूर रखना चाहिए।
*परन्तु कुछ नकारात्मक मूल्य भी परिवार से सीखता है जैसे - अंधविश्वास, भाई भतीजावाद, जातिवाद। अतः परिवार के मूल्यों का प्रभाव जीवनपर्यन्त रहता है।

2.5(Two½)
(Q.Unit-I-B-7)

8. Explain the Kant's ultimate good on the basis of relative and categorical imperative.
कांट किस प्रकार सापेक्ष एवं निरपेक्ष आदेश के आधार पर अंतिम शुभ की व्याख्या करता है।

कांट एक परिणाम निरपेक्षवादी दार्शनिक हैं। उनके अनुसार अंतिम शुभ - पूर्णतः निरपेक्ष आदेश व कर्तव्य चेतना से प्रेरित होते हैं, इनमें भावनाओं का लेशमात्र भी योगदान नहीं होता है। उनके अनुसार अंतिम शुभ देश काल व परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तित न होकर सार्वभौमिक होते हैं। शुभ संकल्प में जब आनंद को समाहित कर दिया जाए, तो पूर्णसंकल्प की प्राप्ति होती है। सापेक्ष आदेश देश-काल व परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तित होते हैं। उन्होंने नैतिकता के चार सूत्र- सार्वभौमिकता का नियम, मनुष्य को साध्य मानने व साध्यों के राज्य के विधायक समझने का नियम दिया।

2.5(Two½)
(Q.Unit-I-B-8)

9. What are generally considered to be the minimum basic needs of an individual to lead a healthy and productive life? What is the administrators responsibility in ensuring these minimums?
आमतौर पर एक स्वस्थ और उत्पादक जीवन जीने के लिए व्यक्ति की न्यूनतम बुनियादी जरूरतें क्या मानी गयी हैं? इन न्यूनतम को सुनिश्चित करने में एक प्रशासक की क्या जिम्मेदारी है?

मनुष्य को स्वस्थ एवं उत्पादक जीवन के लिए रोटी, कपड़ा, मकान, स्वच्छ पर्यावरण, स्वच्छ जल, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा आदि मूलभूत आवश्यकताओं की जरूरत होती है। वर्तमान में ये सभी सेवाएं प्रशासन के माध्यम से ही उपलब्ध करवायी जा रही हैं। एक प्रशासक का कर्तव्य है, कि वो गीता में उल्लिखित लोक संग्रह की भावना से प्रेरित होकर ये समस्त सेवाएं जनता को उपलब्ध कराए।

2.5(Two½)
(Q.Unit-I-B-9)

प्रशासक को सरकारी योजनाओं, PDS, LPG, सब्सिडी इत्यादि की सुविधा पूर्ण पारदर्शिता करते हुए उपलब्ध करवानी चाहिए, ताकि सुशासन की संकल्पना साकार हो।

1(One)
(Q.Unit-I-B-9)

10. What are the core ethical values required for excellence in civil service?
लोक सेवा की उत्कृष्टता के लिए आवश्यक प्रमुख नैतिक मूल्य कौन से हैं?

(i) सत्यनिष्ठा :- मन, कर्म, वचन में सुसंगतता व स्वयं का मापदण्ड भी उन्हीं नियमों के आधार पर करना, जिनसे दूसरों का मापन करते हैं।
(ii) नेतृत्व :- दूरदर्शी होना, टीमभावना से कार्य करना, श्रेय टीम को व गलती स्वयं की स्वीकारना।
(iii) समर्पण :- नैतिक कर्तव्यों, प्रशासनिक कर्तव्यों, संवैधानिक मूल्यों व जनकल्याण के प्रति समर्पण।
(iv) वस्तुनिष्ठता :- भय या पूर्वाग्रह से रहित होकर मेरिट के आधार पर निर्णय करना।
(v) निस्वार्थता :- लोभ या लालच से रहित होकर कार्य करना।
(vi) खुलापन :- सार्वजनिक कार्य पारदर्शी तरीके से करना (RTI)
(vii) कर्तव्यनिष्ठता (viii) ईमानदारी

4(Four)
(Q.Unit-I-B-10)

Part – C
भाग – स

Marks : 30
अंक : 30

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **100 - 100** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं।

11. "Necessarily related, means cannot be separated from ends. Therefore, both must be auspicious for real and lasting success." Explain the above comment in the context of Gandhian ethics.
"अनिवार्यतः सम्बन्धित होने के कारण साधनों को साध्य से पृथक नहीं किया जा सकता, अतः वास्तविक और स्थाई सफलता के लिए दोनों का शुभ होना आवश्यक है।" गाँधी नीतिशास्त्र के सन्दर्भ में उक्त टिप्पणी को स्पष्ट करें।

मार्क्सवादी नीतिशास्त्रियों ने केवल साध्य की पवित्रता पर बल दिया है। जबकि गांधीजी ने साधन व साध्य दोनों की पवित्रता पर बल दिया है। उनके अनुसार साधन व साध्य

0.25(Zero¼)
(Q.Unit-I-C-11)

अन्योन्याश्रय का संबंध है। अर्थात् अपवित्र साधन द्वारा एक पवित्र साध्य की कल्पना भी नहीं की जा सकती, जिस... उन्होंने साधन व साध्यों में वृक्ष व बीज का संबंध बताया है। जिस प्रकार एक दोषपूर्ण बीज द्वारा एक स्वस्थ पादप की कल्पना नहीं की जा सकती, उसी प्रकार एक अपवित्र साधन द्वारा पवित्र साध्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन में अहिंसा को साधन व सत्य को साध्य के रूप में प्रयोग किया। अर्थात् साधन व साध्य दोनों एक ही सिक्के के पहलू हैं।

* एक लोक सेवक के लिए भी यह प्रासंगिक है, यदि वह सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठता से प्रेरित होकर संवैधानिक भावना व जनकल्याण में कार्य करता है, तो उसे यश की प्राप्ति होती है तथा समाज में उसके प्रति विश्वास में वृद्धि होती है। एक प्रशासनिक सेवक को आचरण को संयमित करने हेतु इसीलिए प्रशासनिक आचरण संहिता बनाई गई है। इस प्रकार गाँधीजी का यह विचार पश्चिमी विचारकों व मार्क्सवादियों से श्रेष्ठ है।

3(Three)
(Q Unit-I-C-11)

12. Explain the factors essential in "Ethical decision" making. In case of ethical decision being against to administrative decision, how will you harmonise them? Explain with examples.
"नैतिक निर्णय" लेने में महत्त्वपूर्ण कारकों को समझाइए। यदि नैतिक निर्णय प्रशासनिक निर्णय के विरुद्ध हो, तो आप दोनों में किस प्रकार समन्वय करेंगे? सोदाहरण समझाइए।

नैतिक निर्णय लेना एक संज्ञानात्मक प्रक्रिया है, जिसमें उपलब्ध विकल्पों के में से श्रेष्ठ व नैतिक विकल्प का चयन किया जाता है। नैतिक निर्णय में महत्वपूर्ण कारक:-

तथ्यों का एकत्रीकरण → नैतिक मुद्दों की पहचान → हितधारकों की पहचान → प्रभाव व परिणामों का आंकलन → सत्यनिष्ठा के आधार पर आचरण → रचनात्मक संभावित प्रक्रिया → सही नैतिक निर्णय लेना

नैतिक निर्णय लेते समय - (i) प्रशासन की लोकतांत्रिक जवाबदेही (ii) सत्यनिष्ठा (iii) प्राकृतिक न्याय (iv) संवैधानिक मूल्य (v) संवेदनशीलता (vi) वस्तुनिष्ठता (vii) कर्तव्यनिष्ठा (viii) तार्किक निर्णय (ix) निर्वैयक्तिकता आदि कारकों के आधार पर निर्णय लेना चाहिए।

* परन्तु कई बार प्रशासनिक निर्णय व नैतिक निर्णय में द्वन्द्व की के विरुद्ध होता है, जैसे एक लोक सेवक का नैतिक निर्णय है, कि वह पारदर्शिता से कार्य करे, परन्तु कुछ गोपनीय मामलों में जैसे- टेण्डर प्रोसेस में (क्रय पद्धति) में गोपनीयता आवश्यक है। इसी इस स्थिति में प्रशासनिक सेवक संवैधानिक उपबंधों व प्रशासनिक आचार संहिता को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेना चाहिए। इसी प्रकार यदि कहीं बांध बनाया जा रहा है, तो कुछ लोग विस्थापित होते हैं, तो एक प्रशासनिक सेवक को पुनर्वास की व्यवस्था, तात्कालिक राहत व दीर्घकालिक राहत दिलवाते हुए कर्तव्य पालन करना चाहिए।

0.5(Zero½) (Q.Unit-I-C-12)
1(One) (Q.Unit-I-C-12)
1(One) (Q.Unit-I-C-12)
1(One) (Q.Unit-I-C-12)
1(One) (Q.Unit-I-C-12)

13. "Each other's success teaches a lesson for better governance." Analyze this statement with examples.

"एक दूसरे की सफलता बेहतर प्रशासन के लिए सीख देती है।" इस कथन का विश्लेषण उदाहरणों द्वारा कीजिए।

प्रशासन में यदि एक प्रशासक अपने कर्तव्यों का संवैधानिक मूल्यों, नैतिक व प्रशासनिक मूल्यों के अनुसार निर्वहन करता है। तो अन्य प्रशासक उसे रोल मॉडल मानने लगते हैं। और उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है, जिस कारण अन्य प्रशासक भी उसे देखकर अपना प्रदर्शन बेहतर करने की कोशिश करते हैं। जब एक प्रशासक गीता में उल्लिखित लोकसंग्रह की भावना करता है, तो अन्य को भी प्रेरणा मिलती है। उदाहरण के लिए

जब भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा तैयार रॉकेटयान SLV-3 से रोहिणी का कक्षा में प्रक्षेपण सफल नहीं हो पाया, तो इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी हमारे देश के इसरो प्रमुख ने ली। और इसी के परिणाम स्वरूप 1980 में रोहिणी RS-1 का सफल प्रक्षेपण हुआ। और उसके पश्चात भारत के अनेक लोगों की विज्ञान के क्षेत्र में रुचि जगी और इसी का परिणाम है, कि आज इसरो की प्रतिष्ठा पूरे विश्व भर में है। अतः यह सिद्ध होता है, कि एक इसरो की सफलता बेहतर प्रशासन की सीख देती है।

4(Four)
(Q.Unit-I-C-13)

Paper-II | 13

Unit – II
(यूनिट – II)

(70 Marks)
(70 अंक)

Part – A
भाग – अ

Marks : 10
अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries 2 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15 - 15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. Differentiate between nuclear fission and fusion.

नाभिकीय विखण्डन एवं संलयन को विभेदित कीजिए।

नाभिकीय विखण्डन	नाभिकीय संलयन
→ इसमें एक ~~भारि~~ भारी नाभिक टूटकर दो या दो से अधिक हल्के नाभिकों में टूट जाता है।	→ इसमें दो या दो से अधिक हल्के नाभिक एक भारी नाभिक बनाते हैं।
→ इसमें उच्च ताप की आवश्यकता नहीं।	→ इसमें $10^8 - 10^{10}$ K ताप की आवश्यकता
→ परमाणु बम उपयोग होता है।	→ हाइड्रोजन बम में उपयोग
$_{92}U^{235} \rightarrow {}_{56}Ba^{141} + {}_{36}Kr^{92} + 3{}_0n^1 + \Delta E$	${}_1H^2 + {}_1H^3 \xrightarrow{\Delta} {}_2He^4 + {}_0n^1 + \Delta E$

1.5(One½)
(Q.Unit-II-A-1)

2. Explain the role of calcium carbide in the artificial ripening of fruits.

फलों को कृत्रिम रूप से पकाने में कैल्शियम कार्बाइड की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

जब फलों पर कै. कार्बाइड का छिड़काव करते हैं, तो फलों में ~~कोश~~ पानी जाने वाली कोशिका झिल्ली (अर्द्धपारगम्य) से ~~फलों~~ फलों में CaC_2 के साथ रासायनिक क्रिया होती है, जिससे फल जल्दी होकर अपनी परिपक्व अवस्था प्राप्त कर लेते हैं और फलों की आति स्फीत हो जाती है। ×

0 (Zero)
(Q.Unit-II-A-2)

0.5(Zero½) (Q.Unit-II-A-3)

0.25(Zero¼) (Q.Unit-II-A-3)

3. What is an OTT platform?
ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म क्या है?

ओवर द टॉप प्लेटफार्म में बिना किसी मध्यस्थ के सीधे इंटरनेट के माध्यम से सेवाएं उपलब्ध करवायी जाती है। उदा० - डिज्नी हॉटस्टार। हाल ही में इन्हें भारत सरकार ने आयु के आधार पर श्रेणीकृत किया है।

U/A → सार्वभौमिक
U/A 7+
U/A 13+
U/A 16+ } पेरेंटल लॉक
A (Adult)

साथ ही इन्हें रेगुलेट करने के लिए त्रिस्तरीय तंत्र विकसित किया है।
→ GRO → 15 दिन में
→ Self Reg. Body
→ निगरानी तंत्र

1.5(One½) (Q.Unit-II-A-4)

4. What is the basic concept of operation of RFID? Give two application of this technology.
आर.एफ.आई.डी. प्रचालन का मूल सिद्धान्त क्या है? इस तकनीक के दो उपयोग दीजिए।

यह एक वायरलेस पहचान की तकनीक है, जिसमें रेडियो आवृत्ति के आधार पर पहचान की जाती है। इसमें एक RFID Reader होता है व एक RFID Tag
→ RFID Reader रेडियो संकेत प्रेषित करता है, जिन्हें RFID Tag में लगे Antena की सहायता से सूचनाओं को पुनः RFID रीडर की तरफ प्रेषित करते हैं व RFID सिस्टम सूचनाओं को पढ़ लेता है।

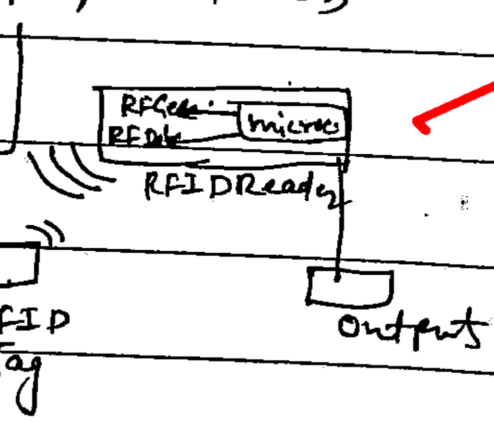

उपयोग :- मेट्रो टोकन में, पशु ट्रैकिंग, टोल सिस्टम

1.5(One½) (Q.Unit-II-A-5)

5. What is the difference between Polar Satellite launch vehicle and Geosynchronous Satellite launch vehicle?
ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान और भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान में क्या अंतर है?

PSLV	GSLV
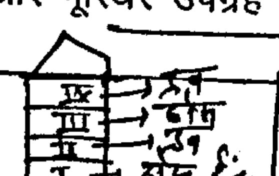	
→ इसमें चार स्टेज इंजन, जिसमें दो ठोस (HTPB) व दो द्रव स्टेज	→ इसमें तीन स्टेज इंजन, एक ठोस एक द्रव व एक क्रायोजेनिक ($Liq. H_2, O_2$)
→ यह LEO में अधिकतम 1800 kg भार ले जा सकता है	→ यह GTO में अधिकतम 4 टन भार (पेलोड) ले जा सकता है
→ तृतीय पीढ़ी	→ चतुर्थ पीढ़ी
→ स्ट्रैप ऑन बूस्टर	→ 4 स्ट्रै. बू.

Part – B
भाग – ब

Marks : 20
अंक : 20

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **50 - 50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

6. Write any five benefits of the medicinal plant – Guduchi/Giloy.
औषधीय पौधे – गुडूची/गिलोय, के कोई पाँच लाभ लिखिए।

गिलोय – अमृता (कभी न सूखने वाली, जिस पर चढ़ती है, इसी के गुण ले लेती है), नीम गिलोय सर्वाधिक गुणकारी (

लाभ – * रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है)
* पेट / पाचन से संबंधित विकारों में उपयोगी
* कैंसर उपचार में इसके फायदा मिलता (प्रयोग चल रहा)
* खांसी के समय काढ़ा बनाया जा सकता है)
* इसके अलावा चर्म्या संबंधी रोगों के उपचार में

2(Two)
(Q.Unit-II-B-6)

7. What is Cryptocurrency? What are its advantages and disadvantages?
क्रिप्टोकरेंसी क्या है? इसके फायदे और नुकसान क्या हैं?

यह एक पीयर-टू-पीयर मुद्रा है। यह ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित है। ब्लॉकचेन तकनीक एक विकेन्द्रीकृत तकनीक है। जिसमें प्रत्येक सूचना Block के रूप में होती है।

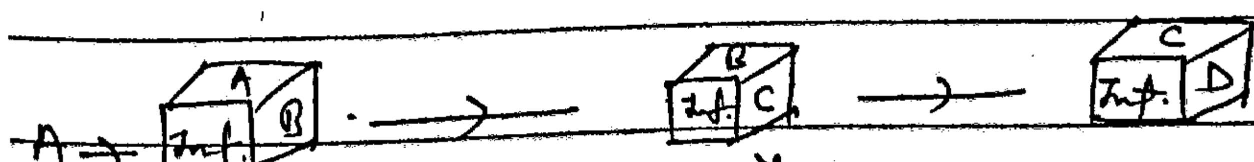

प्रत्येक Block में → हैश, प्रीहैश, सूचना होती है। यह तकनीक अत्यधिक सुरक्षित है, क्योंकि यदि छेड़छाड़ की जाती है, तो प्रत्येक ब्लॉक का अगले ब्लॉक से सम्पर्क टूट जाता है)

1(One)
(Q.Unit-II-B-7)

उदा० बिटकॉइन, इथीरियम, डोगेकोइन

फायदे - * हैकिंग संभव नहीं * मध्यस्थ की आवश्यकता नहीं।

* कहीं भी भुगतान संभव

हानि * मनी लॉन्ड्रिंग में उपयोग संभव * आतंकवादियों द्वारा फण्डिंग * अत्यधिक उतार-चढ़ाव * कोई नियामक नहीं। ⇒ इसी कारण भारत सरकार विधेयक लेकर आयी है, इसके विनियमन के लिए।

0.5(Zero½)
(Q.Unit-II-B-7)

8. What are the differences between the previous generations of mobile networks and 5G Network?
पिछली पीढ़ियों के मोबाइल नेटवर्क और 5G नेटवर्क में क्या अंतर है?

→ 5G तकनीक 2019 में अमेरिका में शुरु हुआ, भारत में भी हुआ।

* 4G की अधिकतम स्पीड - 1GB/sec. थी, जबकि 5G की 10GB P/S

* इसमें IEEE मानक 802.11 ac का उपयोग

* भारत में आवृत्ति बैंड
→ 3.3 - 3.6 GHz
→ 24.5 - 33.4 GHz
→ 37 - 43.5 GHz

* 4G से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस संभव नहीं। 5G से उच्च स्पीड के कारण AI उपयोग संभव

* IOT (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) को आसान करेगी।

* milimeter waves का use किया जाएगा।

1(One)
(Q.Unit-II-B-8)

9. Write the objective of Missiles and Strategic System (MSS). Name the laboratories which comprises MSS clustre.
मिसाइल और सामरिक प्रणाली (एम.एस.एस.) का उद्देश्य लिखिए। एम.एस.एस. क्लस्टर में शामिल प्रयोगशालाओं के नाम लिखिए।

भारत में मिसाइल सामरिक प्रणाली कार्यक्रम ISGMDP (1983-2008) तक APJ अब्दुल कलाम के नेतृत्व में चलाया गया।

→ जिसमें पृथ्वी, आकाश, अग्नि, त्रिशूल, नाग मिसाइलें आती हैं।

मिसाइल सामरिक प्रणाली :- ① पृथ्वी एयर डिफेंस सिस्टम → यह 50-80 km की ऊँचाई पर बैलिस्टिक मिसाइल को नष्ट करती है। प्रद्युम्न मिसाइल का use। ② एडवांस्ड एयर डिफेंस सिस्टम : ये 15-20 km ऊँचाई पर इसमें अश्विन मिसाइल का use

③ हाल ही में S-400 रूस से आयातित - 400 km तक प्रहार

अग्नि-V मिसाइल → अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल

सामरिक क्षमता चीन को काउंटर करना।

उद्देश्य :- * मिसाइल क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना। * अन्य देशों द्वारा हमलों से बचाव * वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बने रहना * चीन को संतुलित करना।

0.5(Zero½)
(Q.Unit-II-B-9)

Part – C

भाग – स

Marks : 40
अंक : 40

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **100 - 100** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं।

10. (a) Which property of carbon is responsible for formation of large number of compounds?
(b) Write domestic and industrial applications of carbon compounds.
(c) Give an example of each –
(i) Artificial sweeteners
(ii) Food preservatives
(iii) Ores of zinc

(a) कार्बन का कौन सा गुण बड़ी संख्या में यौगिकों के निर्माण के लिए उत्तरदायी है?
(b) कार्बन यौगिकों के घरेलू और औद्योगिक अनुप्रयोग लिखिए।
(c) प्रत्येक के उदाहरण दीजिए –
(i) कृत्रिम मधुरक
(ii) खाद्य संरक्षक
(iii) ज़िंक के अयस्क

(a.) * कार्बन में अपने ही परमाणुओं से बंध बनाने की प्रवृत्ति पायी जाती है, जिसे श्रृंखलन कहते हैं।
* कार्बन का छोटा आकार
* कार्बन की चार संयोजकता।

2(Two)
(Q.Unit-II-C-10)

कार्बन के घरेलू अनुप्रयोग :-

(i) LPG (लिक्विड पेट्रोलियम गैस) - खाना बनाने के काम आती है

(ii) हीरा → कार्बन का क्रिस्टलीय अपरूप, आभूषणों में उपयोगी

(iii) कोयला (ईंधन) :- अंगीठी जलाने में उपयोगी

कार्बन के औद्योगिक उपयोग :-

इसमें असंतृप्त हाइड्रोकार्बन को संतृप्त हाइड्रोकार्बन में बदला जाता है

$$C{=}C \xrightarrow{Ni} C{-}C$$

वनस्पति तेल वनस्पति घी

ग्रेफाइट - नाभिकीय रिएक्टर में, पेट्रोलियम, LPG - कवाली मंदक

(c) (i) कृत्रिम मधुरक :- सैकेरीन, एस्पार्टेम, एलिटेम

(ii) खाद्यसंरक्षक :- सोडियम बेंजोएट, सार्बेट

(iii) जिंक के यौगिक :- जिंकाइट, जिंक ब्लेंड,

1(One) (Q.Unit-II-C-10)

1(One) (Q.Unit-II-C-10)

3(Three) (Q.Unit-II-C-10)

11. Describe the functioning of the human eye and explain any one of the refractive defects of vision and its corrective measure.
मानव आँख की कार्यप्रणाली का वर्णन करें और दृष्टि के किसी एक अपवर्तक दोष और उसके सुधारात्मक उपाय की व्याख्या करें।

मनुष्य की आँख के प्रमुख भाग :-

(i) स्क्लेरा :- दृढ़ ऊतक से बना।

(ii) कॉर्निया :- पारदर्शी भाग, स्क्लेरा का ...

(ii) रेटिना :- संवेदी कोशिकाओं का बना।
* इसमें कोन सेल (रंगों में विभेद)
रॉड सेल (कम प्रकाश)

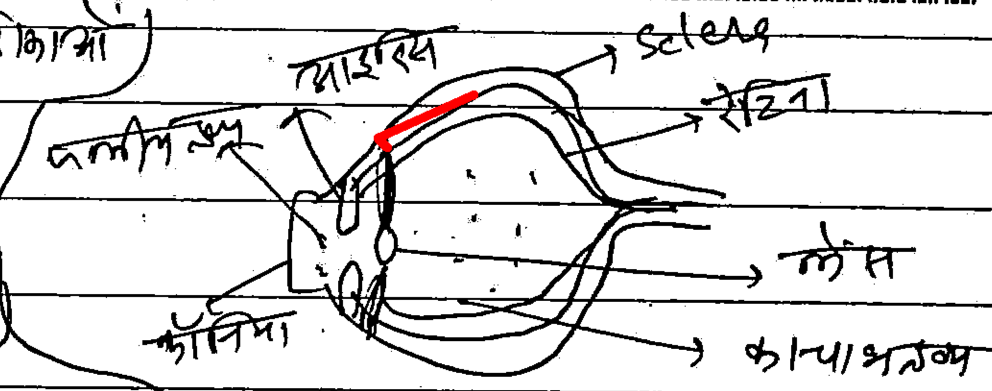

~~(iii) (iv)~~

→ जब प्रकाश कॉर्निया (पारदर्शी) से मनुष्य की पुतली में से प्रवेश कर लेंस पर गिरता है, तो लेंस से अपवर्तित होकर रेटिना के मैक्युला ल्यूटिया पर प्रतिबिम्ब बनाता है। यह प्रतिबिम्ब उल्टा, परन्तु से छोटा व वास्तविक बनता है। जिसे मस्तिष्क सीधा करता है।

(1) निकट दृष्टि दोष :- इसमें निकट की वस्तुएं तो स्पष्ट दिखाई देती है, परन्तु दूर की वस्तुएं नहीं दिखाई देती।
कारण :- नेत्र गोलक का आकार छोटा हो जाता है।
उपचार :- इसमें वस्तु का प्रतिबिम्ब रेटिना से ~~पहले~~ आगे ही बन जाता है।

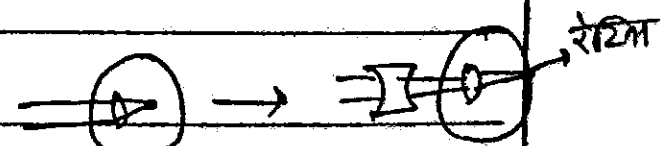

उपचार :- अवतल लेंस का उपयोग करते हैं।

0.25(Zero¼) (Q.Unit-II-C-11)
1(One) (Q.Unit-II-C-11)
2(Two) (Q.Unit-II-C-11)

12. Explain the concept of real time-PCR. What is 'Ct value' in RT-PCR Test for Covid –19?
रीयल टाइम–पीसीआर की अवधारणा की व्याख्या करें। कोविड–19 के लिए आरटी–पीसीआर टेस्ट में 'सीटी वैल्यू' क्या है?

RT PCR तकनीक :- इस तकनीक में ~~DNA~~ की DNA की प्रतिकृति तैयार की जाती है। ~~यह~~ इसमें सर्वप्रथम DNA को किसी खण्ड से काटा जाता है।

0.5(Zero½) (Q.Unit-II-C-12)

(रिस्ट्रिक्शन एण्डोन्यूक्लिएज एन्जाइम) की सहायता से।
फिर उस खण्ड की हजारों लाखों प्रतिकृति तैयार
की जाती है। ~~ताक~~ फिर electroफोरेसिस तकनीक
द्वारा उन्हें विशिष्ट अनुक्रम में व्यवस्थित किया
जाता है। फिर नाइट्रोसेलुलोज पत्रक पर
उसे रखा जाता है। और रेडियो सक्रिय प्रोब की
सहायता से उसका पता लगाया जाता है।

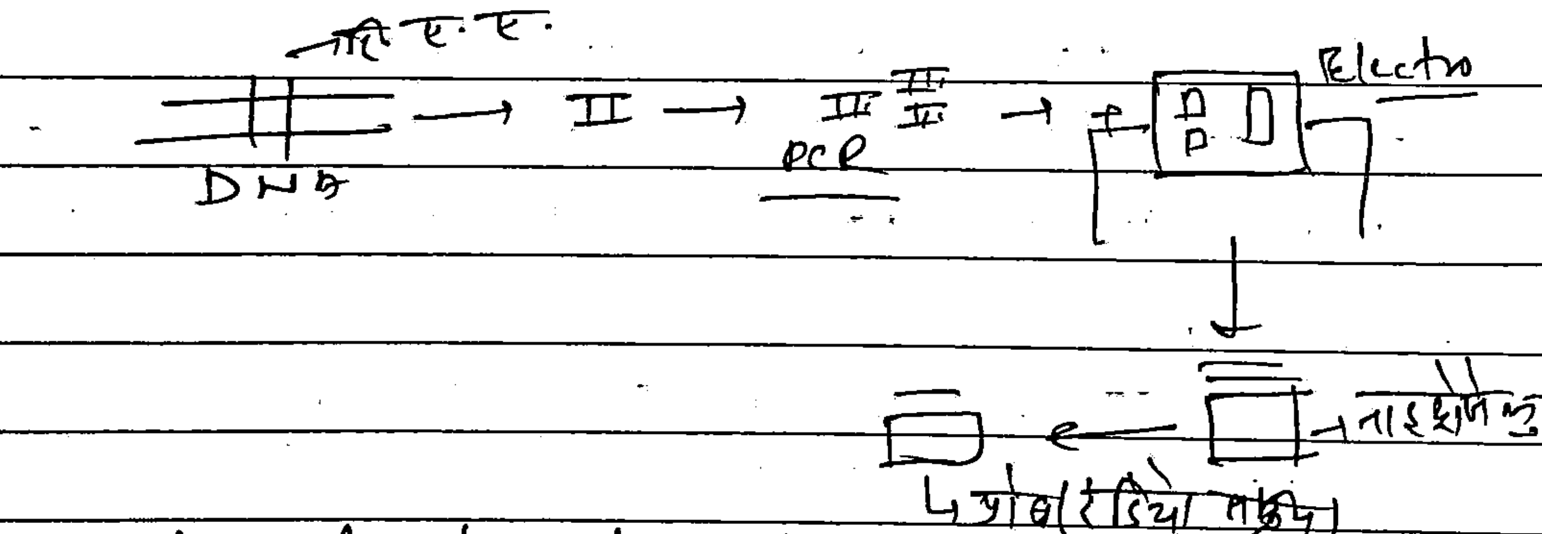

→ इसी तकनीक के उपयोग से Covid-19 का
Test किया जाता है।

0.5(Zero½)
(Q.Unit-II-C-12)

13. Mention the contribution of the following Indian Scientists –
(i) Homi Jehangir Bhabha (ii) Sir Mokshagundam Visvesvaraya
(iii) Satyendra Nath Bose (iv) Meghnad Saha (v) Har Gobind Khorana

निम्नलिखित भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान का उल्लेख करें –
(i) होमी जहाँगीर भाभा (ii) सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया
(iii) सत्येंद्र नाथ बोस (iv) मेघनाद साहा (v) हर गोबिंद खुराना

(i) होमी जहांगीर भाभा :- भारत के परमाणु कार्यक्रम
के जनक। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फण्डामेंटल रिसर्च
सेन्टर की स्थापना। परमाणु ऊर्जा आयोग की

1(One)
(Q.Unit-II-C-13)

स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका, अध्यक्ष साराभाई जरनीना जैसेरिसर्च स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका।

(II) सर मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया :– इन्हें भारत में कृष्णराजसागर बांध के निर्माण के लिए जाना जाता है। * 15 सितं को इनके सम्मान में इंजीनियर डे * ब्लॉक इरीगेशन को शुरू किया। * भारत के प्रथम इंजीनियर

(III) सत्येन्द्र नाथ बोस :– इन्हीं के नाम पर बोसोन कण, महान भौतिक वैज्ञानिक, आइंसटीन के साथ मिलकर बोस-आइंसटीन कंडनस्टेट, पदार्थ की पांचवी अवस्था दी *

(IV) मेघनाथ शाहा :– इन्होंने तापीय आयनीकरण का सिद्धांत दिया। महान भौतिक वैज्ञानिक, साहा इक्वेशन दी।

(V) हरगोविंद खुराना :– ~~प्र~~ ये जीव विज्ञानी थे।
* प्रोटीन संश्लेषण के क्षेत्र में कार्य किया।
* नोबेल पुरस्कार मिला

1.5(One½)
(Q.Unit-II-C-13)

1.5(One½)
(Q.Unit-II-C-13)

1(One)
(Q.Unit-II-C-13)

0.5(Zero½)
(Q.Unit-II-C-13)

Unit – III
(यूनिट – III)

(65 Marks)
(65 अंक)

Part – A
भाग – अ

Marks : 10
अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **15 - 15** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं।

1. Write about time range of Mesozoic era.
मेसोज़ोइक युग की समय सीमा लिखिए।

24.5 करोड़ वर्ष पूर्व से 6.7 करोड़ वर्ष पूर्व

Paper-II

1\. द्रुमदर्भ (?)
→ क्रिटेशियस — 22 → 14.5 से 6.8 करोड़ वर्ष पूर्व (डायनासोर विलुप्त)
→ जुरैसिक — 18 से 14.5 करोड़ वर्ष पूर्व → डायनासोर, पक्षी
→ ट्रियासिक — 24.5 करोड़ से 18 करोड़ वर्ष पूर्व (मेंढक व मधुमक्खी कछुआ)

1.75(One¾)
(Q.Unit-III-A-1)

2\. Write about the structure of Sial.
सियाल की संरचना के बारे में लिखिए।

जबकि (स्वेस) के अनुसार

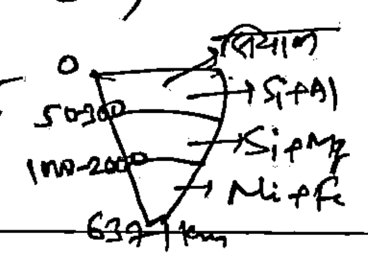

* यह पृथ्वी की ऊपरी परत है।
* यह सिलिका व Mg (मैग्नीशियम) की बनी होती है। * इसका घनत्व लगभग 3.1 gm/cm³ होता है। * यह पृथ्वी सतह से 35 km गहराई तक विस्तृत है।
* यह कोनार्ड असंबद्धता से पृथक होती है।

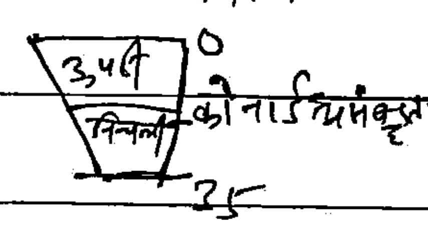

1.5(One½)
(Q.Unit-III-A-2)

3\. How Shivalik Himalayas was formed?
शिवालिक हिमालय का निर्माण कैसे हुआ?

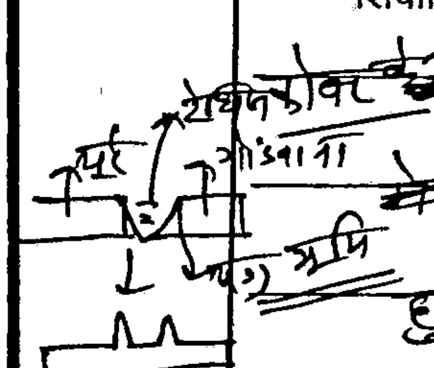

कोबर के अनुसार शिवालिक हिमालय का निर्माण टेथिस भूसन्नति के अवसादों में वलन से टर्शियरी कालखण्ड में हुआ। → यूरेशियन प्लेट व गोंडवाना लैण्ड के अभिसरण से हिमालय की उत्पत्ति हुई। (हैस)

0.25(Zero¼)
(Q.Unit-III-A-3)

4\. Write the names of Mountain Ranges/Hills of Western Ghats.
पश्चिमी घाट की पर्वत श्रेणियों/पहाड़ियों के नाम लिखिए।

* पश्चिमी घाट तापी नदी के मुहाने से लेकर कन्याकुमारी तक विस्तृत है। यह एक खण्ड पर्वत है। इसमें कलसुबाई (उत्तरी सह्याद्रि की सर्वोच्च चोटी), कुद्रेमुख (लौह उत्पादन व मोटा), अन्नामलाई की पहाड़ियाँ, कार्डमम हिल्स (इलायची की पहाड़ियाँ), नीलगिरी (सर्वोच्च चोटी डोडाबेटा, रोपणकृषि, उटकमण्डलम)
यह भारत के 4 Hot spot में से एक

5. Write the zinc producing areas of Rajasthan.
राजस्थान के जस्ता उत्पादक क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए।

* रामपुरा अगूचा, गुलाबपुरा अगूचा (भीलवाड़ा)
* जावर (उदयपुर)
* राजपुर दरीबा (राजसमंद)
* चौथ का बरवाड़ा (सवाईमाधोपुर)

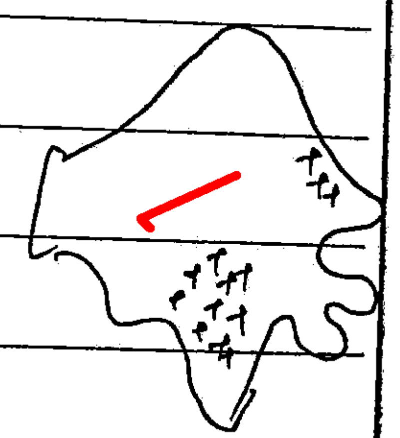

1.75(One¾)
(Q.Unit-III-A-4)

0.75(Zero¾)
(Q.Unit-III-A-5)

Part – B
भाग – ब

Marks : 25
अंक : 25

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **50 - 50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

6. Describe the Circum – Pacific belt of Volcanoes.
ज्वालामुखी की परिप्रशांत मेखला का वर्णन कीजिए।

* यह प्लेटों के अभिसरण किनारों पर स्थित है।
* इसमें कुल ज्वालामुखी क्षेत्र का लगभग 63% भाग आता है।
* यह प्रशांत महासागर के चारों ओर एक वलय के रूप में विस्तृत है।
* इसमें मुख्यतः उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, जापान आदि ~~देशों के ज्वालामुखी~~ के ज्वालामुखी आते हैं।

उदा० - रेनियर, हुड, शास्ता
जापान का फ्यूजीयामा

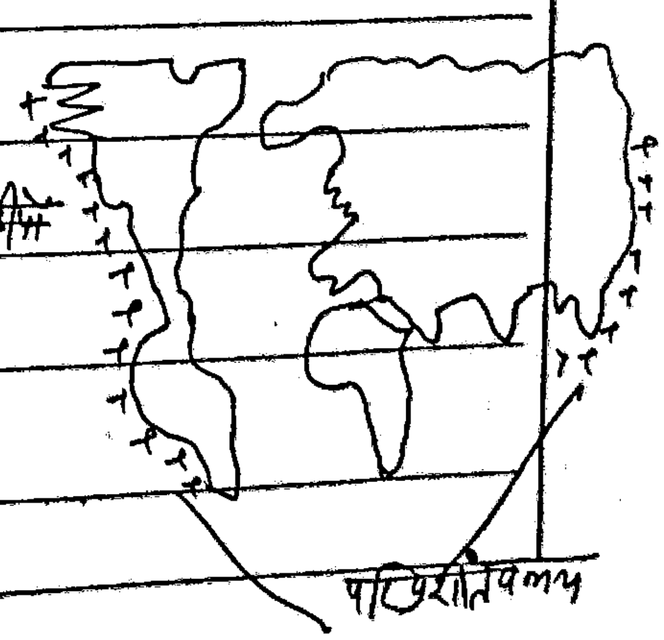

3(Three)
(Q.Unit-III-B-6)

7. Discuss in brief the geographical features of Rocky Mountain range.
रॉकी पर्वत श्रेणी की भौगोलिक विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

* यह उत्तरी अमेरिका में स्थित पर्वत श्रेणी है।
* यह एक नवीन पर्वतमाला है।
* यह विश्व की दूसरी सबसे लम्बी पर्वत श्रेणी है।
* इसके व तटीय श्रेणी के मध्य अनेक पठार हैं। जैसे- कोलम्बिया, कोलोराडो।
* इस श्रेणी से 'कोलोराडो' नदी का उद्गम होता है जो ग्रैंड कैनियन बनाती है।
* यलोस्टोन नेशनल पार्क यहीं स्थित है।
* इसकी सर्वोच्च चोटी एल्बर्ट है।

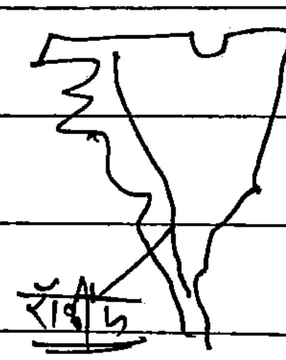

2(Two)
(Q.Unit-III-B-7)

8. Discuss the geographical characteristics of Tropical evergreen forest of India.
भारत के उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वनों की भौगोलिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

* भारत में उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन मुख्यतः पश्चिमी घाट, पूर्वी हिमालय व अण्डमान निकोबार में पाये जाते हैं।
* इनके प्रमुख वृक्ष - रोजवुड, एबोनी, महोगनी, आबनूस आदि हैं। लकड़ी-कठोर।
* ये अधिक ताप व प्रकाश के लिए प्रतिस्पर्धा

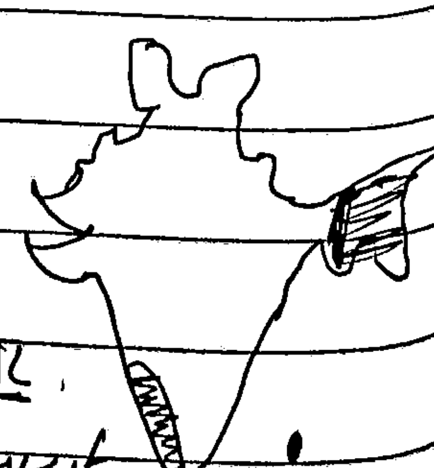

के कारण 40-45 m. ऊँचे है, इनका दोहन अधिक नहीं हो पाया है क्योंकि :- ये दुर्गम स्थानों पर, परिवहन की सुविधा का अभाव, अत्यधिक सघन, अनेक प्रकार के वन एक जगह ही मिलते है)

3(Three)
(Q.Unit-III-B-8)

0.25(Zero¼)
(Q.Unit-III-B-8)

9. Discuss the physical features of Hadoti plateau of Rajasthan.
राजस्थान के हाड़ौती पठार की भौतिक विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

हाड़ौती के पठार को दो भागों में बांटा जा सकता है :-
(i) दक्कन का मालवा पठार
(ii) विंध्ययन कगार भूमि

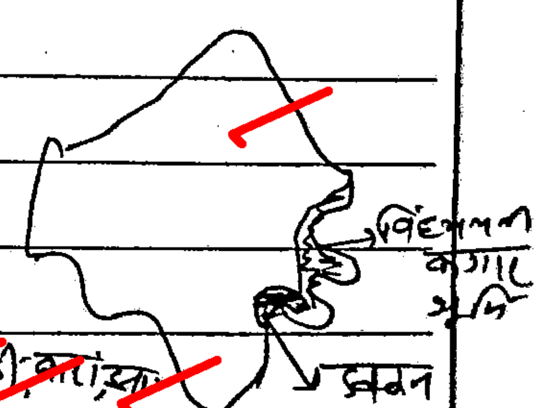

(i) दक्कन का पठार :- इसमें मालवा का पठार व उपमाल का क्षेत्र शामिल है। मुख्यत: झालावाड़, प्रतापगढ़ में विस्तृत।
(ii) विंध्ययन कगार भूमि :- यह धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, बूंदी, कोटा में विस्तृत। यहां धौलपुर में (लाल बलुआ पत्थर), कोटा में कोटा स्टोन, प्रतापगढ़ - केसरपुरा में हीरा आदि मिलते है।
→ हाड़ौती पठार में काली मिट्टी, कपास की खेती के लिए, चंबल नदी का अपवाह

1.5(One½)
(Q.Unit-III-B-9)

10. Discuss the distribution of major metallic minerals of Rajasthan in brief.
राजस्थान में प्रमुख धात्विक खनिजों के वितरण की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

(i) लोहा :- चौमू (मोरीजा बानोल), नाथरा की पाल व थूर हुण्डेर (उदयपुर), नीमला राइसेला (दौसा), डाबला - सिंघाना (खेतड़ी)
(ii) चांदी, सीसा, जस्ता :- जावर (उदयपुर), चौथ का बरवाड़ा (सवाईमा.), राजपुरा दरीबा (राजसमंद), रामपुरा अगूचा, (भीलवाड़ा)
(iii) टंगस्टन :- डेगाना, रेवत (नागौर), पाली (नाना कराब), सिरोही (आबुरेटा)

(4) तांबा :- खेतड़ी (झुंझुनू/कोलिहान)
बीदासर (चूरू), नीमकाथाना (सीकर), नीमला
राइसेला (उदयपुर)
(5) मैंगनीज :- तलवाड़ा, सीलवानी (बांसवाड़ा)
(6) सोना - आनंदपुर भूकिया, जगपुरा भूकिया

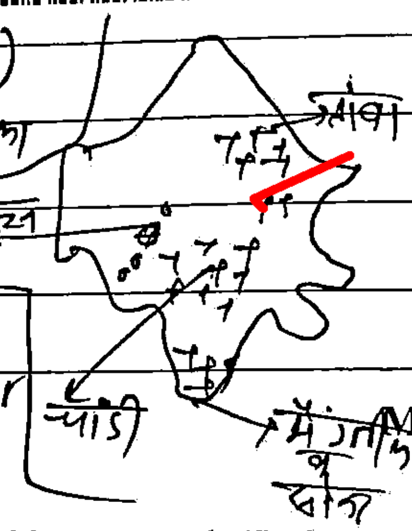

Part – C
भाग – स

Marks : 30
अंक : 30

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **100 - 100** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं।

11. Describe the problems of Geopolitics in context of South East Asian countries.
दक्षिणी पूर्वी एशिया की भू-राजनीतिक समस्याओं की विवेचना कीजिए।

(1) द० पूर्वी एशिया में आसियान देशों के अनेक द्वीपों के पारासेल स्प्रेटली व स्कारबोरो द्वीपों पर चीन 9 लाइन के तहत अपना अधिकार जताता है। और लगभग 80% दक्षिणी चीन सागर पर अपना अधिकार जताता है। जबकि UNCLOS के अनुसार ये क्षेत्र वियतनाम, फिलीपिंस व मलेशिया के विशेष आर्थिक क्षेत्र में आते हैं।

प्रभाव :- भारत की ONGC का समझौता वियतनाम के साथ, गैस के लिए। इसके अलावा संसाधनों का चीन द्वारा दोहन, वैश्विक शक्तियों में टकराव

(2) इसके अलावा चीन द्वारा हिन्द महासागर में स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स के तहत भारत को घेरने की नीति
(पाक के ग्वादर बंदरगाह, चटगांव बंदरगाह (बांग्ला.

डैम), हेवनटोटा (श्रीलंका)

प्रभाव :- भारत की संप्रभुता को खतरा)

* भारत को घेरना

* संसाधनों का दोहन

* चीन द्वारा सामरिक शक्ति प्रदर्शन

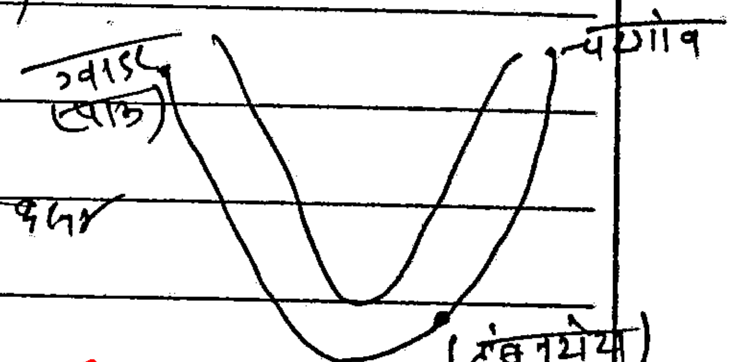

भारत द्वारा प्रतिक्रिया :-

① Scam फिश हुक नीति

② रिम एसोसिएशन ③ Blue dot network

④ QUAD (भारत - ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान)

⑤ मालाबार युद्ध अभ्यास 1992 (भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका)

⑥ नियम आधारित व्यवस्था

1(One)
(Q.Unit-III-C-11)

12. Describe the development of non-conventional energy in Rajasthan.
राजस्थान में गैर–परम्परागत ऊर्जा के विकास का विवरण दीजिए।

(1) सौर ऊर्जा :- 142 GW की क्षमता।
— Dec. 2020 तक 5002 MW अधिष्ठापित क्षमता।

* भड़ला जोधपुर (2245 MW) → चारणवाला में

* नोख - जैसलमेर (925 MW). * फलोदी -IB (1500 MW)

* राजस्थान सरकार द्वारा नई सौर ऊर्जा नीति - 2019

18 dec. 2019 में जारी की गई, जिसका लक्ष्य - 2024 तक 30000 MW ऊर्जा उत्पादन। * SEEZ (जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर),

2.5(Two½)
(Q.Unit-III-C-12)

(II) पवन ऊर्जा :- राज्य में 120 मीटर की ऊँचाई पर 127000 MW ऊर्जा क्षमता। * 4337 MW Dec. 2020 तक उपलब्धि/स्थापित * ~~अमरसागर, बड़ा~~

* अमरसागर, बड़ा बाग, आकल (जैसलमेर)।
* हर्ष (सीकर) * देवगढ़ (प्रतापगढ़) प्रमुख पवन संयंत्र
* पवन एवं हाइब्रिड ऊर्जा नीति - 2019, 18 dec. 2019 को जारी।

(III) बायोमास :- जूली फ्लोरा, सरसों की तूड़ी, चावल की भूसी आदि संयंत्र स्रोत (कच्चा माल) राजस्थान में 120.95 MW के 12 संयंत्र स्थापित)

(IV) बायोडीजल :- बायोडीजल संयंत्र - झामरकोटड़ा (उदयपुर)

राजस्थान में रतनजोत व करंज वृक्ष लगाए जा रहे हैं।

→ बायोडीजल नीति - 2007
बायोडीजल नियम - 2019

13. Explain the concept of Geo-heritage and highlight its potentialities in Rajasthan.
भू–धरोहर स्थल की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए तथा राजस्थान मे इसकी संभाव्यता पर प्रकाश डालिए।

शिक्षा, वैज्ञानिक व प्राकृतिक सौंदर्य के स्थल जिन्हें यूनेस्को द्वारा भूधरोहर के रूप में चिन्हित किया जाता है। (यह Bottom up view है) सतत विकास व पर्यटन को बढ़ावा देती है।

2(Two) (Q.Unit-III-C-12)

1(One) (Q.Unit-III-C-12)

राजस्थान में जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया द्वारा 12 स्थलों को चिह्नित किया गया है :-

(i) जावर (उदयपुर) -

(ii) रामगढ़ झील (बारां) - 3.2 व्यास में विस्तृत, भूविरासत के 200वें क्रेटर में शामिल, क्रेटर निर्मित झील है)
- मीठे पानी की झील

(iii) स्ट्रोमेटोलाइट (भोजुन्दा), चित्तौड़गढ़ - यहाँ से नीलहरित शैवाल के अवशेष प्राप्त

(iv) स्ट्रोमेटोलाइट (झामरकोटड़ा) उदयपुर - यहाँ भी नीलहरित शैवाल (v) ~~मालाणी~~ जोधपुर के मालाणी ग्रुप आग्नेय चट्टानें - यहाँ से ज्वालामुखी के साक्ष्य (vi) बार कांग्लोमरेट

(vii) ग्रेट बाउन्ड्री फाल्ट (सातूर, बूंदी),

(viii) वेल्डलैण्ड टफ (जोधपुर) (ix) गोसाण (राजपुर टीला)

इसके अलावा राजस्थान में केवला देव घना पक्षी विहार यूनेस्को की भू-~~धरोहर~~ विरासत सूची में शामिल (1985)। जयपुर का जंतरमंतर, चित्तौड़गढ़, आमेर, रणथंबौर, जैसलमेर, गागरोण आदि दुर्ग: किले भी यूनेस्को द्वारा संरक्षित है) जयपुर परकोटा भी)

महत्व :- → यह बॉटम अप व्यू है)
→ सतत विकास को बढ़ावा
→ वैश्विक स्तर पर पहचान
→ लोगों को रोजगार
→ भोजुन्दा की मैपिंग की गई खान विभाग द्वारा, तो पर्यटन बढ़ेगा

1(One) (Q.Unit-III-C-13)

2(Two) (Q.Unit-III-C-13)

0.5(Zero½) (Q.Unit-III-C-13)

SPACE FOR ROUGH WORK

Mesozoic ⌐ 1.7
 └ 24.5
Paleozoic ┬ 24.5
 └